DPL–04

June – Examination 2023

Diploma in Prakrit Language Examination

पाण्डुलिपि विज्ञान एवं प्राकृत पाण्डुलिपियाँ

Paper : DPL-04

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **10×2=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) पाण्डुलिपि किसे कहते हैं ?

   (ii) डिप्लोमैटिक्स किसे कहते हैं ?

   (iii) ग्रन्थ समाप्ति का संक्षिप्तीकरण चिह्न लिखिए।

(iv) लिप्यासन किसे कहते हैं ?

(v) लिपि के विकासक्रम में प्रथम चरण क्या है ?

(vi) धर्मस्तम्भ किसे कहते हैं ?

(vii) शब्द के तीन प्रकार लिखिए।

(viii) विकृत शब्द किसे कहा जाता है ?

(ix) प्रद्युम्नीकरण क्या है ?

(x) फफूँदी पाण्डुलिपि के क्षय के किस वर्ग में आता है ?

खण्ड—ब **4×10=40**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

2. पाण्डुलिपि विज्ञान की क्या आवश्यकता है ? समझाइए।

3. स्याही निर्माण की विधि को संक्षेप में समझाइये।

4. सिन्धुलिपि को समझाइये।

5. ब्राह्मी लिपि पर विशद लेख लिखिए।

6. कालनिर्णय की सामान्य समस्याओं का वर्णन कीजिए।

7. पाण्डुलिपि के ज्ञान में भाषाविज्ञान सम्बन्धी अर्थ समस्या को समझाइए।

8. पाण्डुलिपि के जैविकीय क्षय को समझाइए।

9. मोतीलाल मेनारिया पद्धति का वर्णन कीजिए।

खण्ड—स **2×20=40**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

10. शोधप्रक्रिया विज्ञान पर एक लेख लिखिए।

11. लिपिकर्ता के गुणों का वर्णन कीजिए।

12. अनुसन्धानकर्ता द्वारा ग्रन्थ के परिचय की विधि की विवेचना कीजिए।

13. लेखनशैली के आधार पर पाण्डुलिपि के प्रकारों की समीक्षा कीजिए।